खंड २६ संख्या १७
टाइम्स ऑफ इंडिया प्रकाशन
इंद्रजाल कॉमिक्स
आतंक का देवता
रु. ४.००

आतंक का देवता

पश्चिमी तट पर गावीतान और पूर्व में कोहरा ढंकी चोटियों के बीच...

...१००० मील में फैला जंगल... जो अभी तक बाहरी दुनिया के लिए एक अज्ञात जगह थी...

मध्य में... निषिद्ध जगह... बाण्डारों... ज़हरीले तीरों वाले बौनों... और चलते-फिरते प्रेत... वेताल का घर.
....पूर्वी अंचल का संरक्षक ?

वेताल-कथाएं... ४ सदियों की साहस-कथाएं...
-९ वें वेताल द्वारा... २०० साल पहले लिखा गया...
आज की दुरविघाओं की परिषद ने मुझे पूर्वी अंचल का संरक्षक नियुक्त किया...

गुर्रन, यह पूर्वी अंचल क्या है ?
ये शब्द तो मैंने सुने हैं, पर कभी मतलब नहीं समझ पाया.

जल्दी ही-
आओ चलते-फिरते प्रेत..और रेक्स जानना चाहते हो कि तुम पूर्वी अंचल के संरक्षक क्यों बनाये गये?
मोज्ज बाबा.. जीवित इतिहास.

कुछ ही लोग जानते हैं.. आतंक और मृत्यु की इस प्राचीन कथा को...
पर पहले थोड़ा-सा झरने का पानी लोगे?
शुक्रिया, मोज्ज बाबा.
आ.. बताइए न!

कोहरे ढंके पहाड़ों के पार... जहां जंगलवाले जाने से डरते हैं. पूर्वी अंचल था.. है.
था.. है?

था और है. वहां राक्षसों जैसे लोग अपने आतंक के देवता-जाल— की पूजा करते हैं.

"जाल एक लालची देवता था.. मनुष्यों की बलि मांगता था."
जाल की यह आग कभी बुझनी नहीं चाहिए..वरना तुम्हारा राज्य खत्म हो जायेगा. जाल कह रहा है.. और.. और...
और! और!

उस आग का ईंधन मनुष्य की बलि था... जाल का पेट कभी भरा नहीं!

"इसलिए हमलावर..शिकार के लिये हमारे जंगल में आते!"
अंधेरे के राक्षस!

"...और लोगों को बंदी बनाकर ले गये."

"... मुखियाओं की परिषद हुई ...
उनपर हमला करना चाहिए!

"उस समय के वेताल ने उन्हें समझाया..."
नहीं... उनके हथियार तुमसे बेहतर हैं.... इलाका खतरनाक..."

"पर वे बहादुर लोग थे... लड़ने गये... और मारे गये!
"जैसा कि उसने कहा था, पूर्वी अंचल एक जाल था."

"तब उस वक्त का वेताल .... मुखियाओं से मिलने आया...
मैं कोशिश करता हूं इस आतंक को खत्म करने की.
जो हम सब नहीं कर पाये... तुम अकेले कैसे करोगे... उन राक्षसों के खिलाफ?

यह आतंक... नर-बलि... खत्म होनी ही चाहिए! मैं कोशिश करूंगा!

"नौवां वेताल... बहुत ताकतवर था!
"वह पेड़ गिरा सकता था... एक मुक्के से वन मानुष को हरा सकता था!"

"...उसने बिना हथियार के पागल बाघ को मार दिया था..."

...और एक बार उसने टूटे पुल को पकड़े रखा...
याद आ गया... सुनाओ पूरी बात.

वह महाबली... तुम्हारा पूर्वज... पूर्वी अंचल में गया...

हम भी साथ चलते हैं!
मेरा अकेला जाना बेहतर होगा...

"वह उस घाटी में पहुंचा... जो मौत का जाल थी..."

और अचानक—

और वह पूर्वी अंचल की धरती पर पहुंच गया...

"और सवेरा होने से पहले... जब सब शांत था, वह बस्ती में पहुंचा.

पूर्वी अंचल के हमलावर शराब के नशे में धुत पड़े थे...

"वह ज़ाल की मूर्ति के पास पहुंचा.. जिसकी लपटों में बंदियों को जलाया जाता था..."
ज़ाल की आग बुझ गयी तो हमारा राज्य खत्म हो जायेगा.

"पूर्वी अंचल में.. चेतावनी.. हमलावर.. जग गये थे...."

"कट्टर अंधविश्वासियों से २१ वें वेताल का मुकाबला.."
मारो.. मारो.. इसे ज़ाल की आग में झोंक दो....

तभी वेताल ने शराब का बड़ा बर्तन ज़ाल की आग में फेंक दिया...

और आग बुझ गयी...
पापी !
मारो!
मारो!

"वह ज़ाल की आग.. और उसके राक्षस अनुयायियों का अंत था..."

मुखियाओं की परिषद को उसने बताया....
पूर्वी अंचल के हमलावर खत्म हो गये !

पर तुम्हारा पूर्वज गलत था. बुराई जल्दी खत्म नहीं होती. हमलावरों ने नया देवता खोज लिया...
? ?

फिर हमलावर पूर्वी अंचल से बाहर निकले....

"अब वे लोगों को बलि के लिए नहीं...

...गुलामों की तरह बेचने के लिए पकड़ते थे!
सड़ाक!

सदियों से तुम्हारे पूर्वज गुलाम-फरोशों से लड़ते आये हैं...

...कभी वे जीते...

...और कभी हारे, पर हर अगले वेताल ने लड़ाई जारी रखी..."

अब जान गये वेताल, तुम्हें पूर्वी अंचल का संरक्षक क्यों कहते हैं?

पूर्वी अंचल के संरक्षक, वे दुष्ट अभी भी हैं।
बलि... गुलामी... आज? क्या मतलब?
जान जाओगे।
?

वेताल लौटा... आगे रास्ते में... एक यात्री...

...मुसीबत में...
?!

तुम ठीक हो न यात्री ?
शुक्रिया, वेताल ! वह लुटेरा मुझे मारना चाहता था...

२० साल से मैं इस रास्ते पर आ जा रहा हूं. कभी ऐसा नहीं हुआ...
राहजनी... रेक्स शहर जंगल में आ पहुंचा है...

एक घुड़सवार ! घोड़े के अच्छे दाम मिलेंगे.
हमें जरूरत भी है.

एक और हमला नाकामयाब हुआ...
!
भागो !
वेताल !

राहजनी की एक और कोशिश, रेक्स. मैंने उन दोनों को अच्छी तरह देखा है... खोज लूंगा....

जंगल में कुछ गड़बड़ है.. लोग पागल हो गये हैं !

मुखियाओं की परिषद
कबीले में कुछ गड़बड़ है.. पता नहीं क्या हमारे युवक बिगड़ रहे हैं

"दिन में कई जगहों में पड़े रहते हैं..."

"रात को वे भूखे भेड़ियों की तरह चोरी.. हत्या करते हैं..."

हमारे शांतिपूर्ण जंगल को क्या हो गया ?
हमेशा सुनते थे, हमारे जंगल में...

"...आधी रात को भी कोई सुंदरी गहनों में सजी-धजी कहीं भी जा सकती थी..."

अब रात को गांव छोड़ने में डर लगता है.. रास्तों में हत्यारे भरे पड़े हैं...यह क्या गड़बड़ है वेताल ?
पता नहीं मुखिया... ऐ...
!!!

क्या है, वेताल ?
वे तीन... मैंने इन्हें देखा था... रास्ते पर.. ठहरो...

उम्फ !
उऽघ!

यह एक यात्री को लूटने की कोशिश कर रहा था... बाकी दोने मुझ पर हमला किया था...
मैं इन्हीं की बात कर रहा था...

हाथ दिखाओ...

हुंऽऽ.. इसी का डर था मुझे...

किस चीज़ का डर था तुम्हें वेताल?
एक सफेद पाउडर का... जो यहां नहीं होता...

इसे हेरोइन कहते हैं।
?
इस नशे के लिए लोग हत्या तक कर देते हैं...

कहां से मिली हेरोइन तुम्हें?
अगर अपनी जान प्यारी है तो...

हफ्ते में दो बार एक अजनबी आता है...
हमें उसका नाम और कबीला नहीं पता...

"...अभी रात को हम मिलते हैं...पैसे के बदले वह सफेद पाउडर देता है..."

"...पर अगर पैसा न हो तो..."
थोड़ा-सा दे दीजिए... मेहरबानी...
पाउडर नहीं है!

"एक रात हमारे पास पैसा नहीं था...हमने उस अजनबी से सफेद पाउडर लूटना चाहा...
मार दो इसे!
हां!

"हम हार गये...उसने मेरे भाई रिनो को गोली मार दी..."

अगर तुम्हारे पास पैसा नहीं हुआ तो अजनबी नहीं आयेगा. सफेद पाउडर की छुट्टी...
वह आयेगा... वह जानता है हम कहीं से भी पैसा लायेंगे...

हम लूटेंगे... मारेंगे... हमें सफेद पाउडर चाहिए ही!

यह सफेद पाउडर है क्या बला?
जिंदा मौत, जंगल के मुखियाओ!

आज रात अजनबी आयेगा... मुझे उससे सफेद पाउडर लेना है... मुझे कुछ पैसा उधार दे दो... वरना मैं मर जाऊंगा!

...इस...पागलपन... को कैसे ठीक किया जाये?
आसान नहीं है... इन्हें एक झोंपड़े में बंद करके पहरा बिठा दें.

इस इलाज को 'कोल्ड टर्की' कहते हैं.
उस अजनबी को खोज कर खत्म करना होगा.

मेरे भतीजे ने झूठ बोला है... उसने कहा है अजनबी पूर्व से आता है... पूर्व में सिर्फ जंगल है.

?
एक जगह है... पूर्वी अंचल.

मैं कहता हूँ, आज रात उस अजनबी को पकड़ कर मार दो!
मुखियाओ, यह अजनबी सिर्फ हरकारा है....

हमें इसकी जड़ को खत्म करना होगा... पूर्वी अंचल में!
!!

मुखियाओं की बैठक....
कैसे कह सकते हैं कि सफेद पाउडर पूर्वी अंचल से आया है?
कैसे पता कि पूर्वी अंचल अब भी है?
मेरा तो सिर्फ अंदाज है.. बस...

इस अंदाज के लिए हमें अपने सैनिकों को परिवार और जंगल छोड़ने के लिए कैसे कह सकते हैं?
नहीं कह सकते.

मुखियाओ, तुम्हारे आशीर्वाद के साथ मैं जाऊंगा.

इससे पहले कि सारा जंगल बीमार हो जाये, मैं उस स्रोत को ही खत्म कर दूंगा!

बेताल.. चलते-फिरते प्रेत!

जंगल में रात..
यहां आता है वह अजनबी सफेद पाऊडर लेकर..
जाओ तुम लोग झाड़ियों में..

आधी रात.. जंगल का रास्ता.. अजनबी..
!

गोली देर से चली...

उफ्फ!
धम्म

उह... उह...

मारो मत... पैसे ले लो... सामान ले लो...
मुझे तुम्हारा पैसा नहीं चाहिए... जान भी नहीं.. सफेद पाउडर कहां है?

ठहरो.. लाखों का माल है...
धूल के बराबर है.. इसे खत्म करके बात करते हैं!

शेरा, पकड़ो! यह भेड़िया है! भूखा है! बोलो... वरना यह तुम्हें खा जायेगा!
उहहं..

!
कितने लोग हो जंगल में हेरोइन के लिये?

कहां से आते हो? बोलो...
वरना...
बताता हूं!

हा!
शेरा? ओह...
हम अकेले नहीं आते.
औं!

लुटेरा?
नहीं... इसने माल फेंक दिया!

पता लग जायेगा कौन है... पिस्तौलें फेंक दो!

"जंगलवाले कहते हैं, 'वेताल बुरों के साथ बुरा है...'"

!!

विश्वास नहीं होता!
ऐसा निशाना... असंभव!

गोली तुम्हें भी मार सकता था..पर मैं तुम्हें जिंदा चाहता हूं... बात करने के लिए.

बैठ जाओ, तुम लोग!
उह!
उह!

इस जंगल में कितने लोग पाउडर बेचते हो?
दस-बारह...
श्शश... कुछ मत बताओ!

जब मैं सवाल पूछता हूं, तो मुझे जवाब चाहिए, समझे?
हूं ऽऽ... गड्डब...

"क्रुद्ध वेताल की आवाज़ शेर का खून भी जमा देती है.
हां!

तो तुम बारह लोग जंगल में यह नशीली दवा बेचते हो. कब से?
तकरीबन... साल भर...

तुम्हारा मुख्य अड्डा कहां है? कहां से आते हो?

यह.. नहीं बता सकते...
बताना मना है...

किसने मना किया है? बताओ वरना कारिबिया-परिषद तुम्हें फांसी पर चढ़ा देगी!
भले ही मर जायें... पर बता नहीं सकते!

मैं नहीं मरना चाहता, बताता हूं. वह सुप्त देवता है...
उसका नाम नहीं ले सकते...

मैं बताता हूं... जाल्व?
!!!

वही है!
जाल्व... प्राचीन मूर्ति, जिसकी आज्ञा से 200 साल पहले लोग जलाये जाते थे...

जाल्व को सुप्त देवता क्यों कहते हो?
और कुछ नहीं बता सकते.

तो मैं खुद देखूंगा. चलो. सब खड़े हो जाओ!

जंगल में... नशे के व्यापारियों के साथ... कई दिन चलते रहे....

भागने की कोशिश मत करना. जान कर एक घंटा भी ज़िंदा नहीं रहने देंगे तुम्हें. शुभरात्रि!

बाद में—
शशश... वह सो रहा है. चलो, घोड़े लेकर...
औं!

उनमें से एक जानवर शेर है.. समझे...
!
!!

बैठो घोड़ों पर.. चलो...

अब..

मार दो इसे!
मारो!
आउच...

मुझे मारपीट पसंद नहीं पर इन नशे के सौदागरों से निपटने में मज़ा आया!
एक बार फिर पीटने का मन कर रहा है!

तुम्हारा ठिकाना आ गया है... अब आगे अकेले जाओ!

जाओ!

ज़ाल के गुप्त नगर का गुप्त द्वार.

?!

हमारे घोड़े!
हमारे आदमी!

गुप्त नगरी ज़ाल में.
महामहिम... जंगल के रास्ते वाले... घोड़ों से बंधे हुए पहुंचे...
ये ज़िंदा हैं?

जी... बेहोश हैं... कोई घाव भी नहीं...पर इनके जबड़ों पर... खोपड़ी के निशान...!?

वेताल... चलता-फिरता प्रेत... सुप्त देवता की कथा...

उधर—
२०० साल पहले नवां वेताल इस तरह आया था... सपना है यह...

उसने ऐसे एक चट्टान को धकेला था...

और वह...ऐसे गिरी थी...
जाल के दरवाज़े पर—
धड़ाम!
बच ही गये!
यह गिरी कहां से है?

ऊपर से!

मूर्ति... जाल...वहीं पड़ी है, जहां नौवें वेताल ने छोड़ी थी...
इसीलिए इसे सुप्त देवता कहते हैं ये... लेटी हुई है!

नकाबपोश... उसने जबड़ों पर ये निशान बनाये... और तुम्हारा पाउडर लूट लिया?
उसे फेंक दिया उसने
तुम्हारे पास पिस्तौलें थीं?

झूठ! इन्होंने पाउडर बेच दिया है!
ये झूठ नहीं बोल रहे राजकुमार इनके जबड़ों पर ये निशान देखो!

उंह! प्राचीन मूर्खता!
सुप्त देवता की कथा सच है!
राजकुमार! वेताल... यहां है!

सब पहरेदारों के जबड़ों पर खोपड़ी का निशान..
राजकुमार.. वह चट्टान देखो.. मशीन गन को तोड़ दिया...

इस पर भी.. वेताल का निशान.. उसने गिराई है यह शिला.
बकवास! यह किसी आदमी ने गिराई नहीं, गिरी है...

आदमी ने नहीं! चलते-फिरते प्रेत ने!

आदमी.. या प्रेत... हमारी चहारदीवारी में दुश्मन है.
दरवाज़े बंद कर दो. सब सावधान हो जाओ!

तुम किसे तलाश रहे हैं?
राजकुमार कहता है आदमी... पुजारी कहते हैं प्रेत!

पुजारी सही हो सकता है? नकाबपोश की पुरानी कथा... सच?

२०० साल पहले की कथा है. वही आदमी नहीं हो सकता! तो फिर कौन होगा?

उस क्षण ज़ाल की मूर्ति के पास—
उर्क!

राजकुमार कहां हैं? अभी तो उन्हें यहां छोड़ गया था.
पता नहीं... उनका लाइटर तो यह रहा.

सुप्त देवता.. ज़ाल के भीतर....
कौन हो तुम?

तुम खुद को वेताल कहते हो?
कई नामों से लोग पुकारते हैं मुझे.. यह उनमें से एक है.

हम सोये हुए देवता के भीतर हैं!
हां!

पापी! उन्होंने तुम्हें देख लिया तो चीर कर रख देंगे!
हां, अगर हमें देख लें तो! बैठो, राजकुमार!
तुम प्रेत नहीं हो! क्या लेने आये हो यहां?

नशे का व्यापार... उसे खत्म करने आया हूं.... हमेशा के लिये!
अकेले ही! बढ़िया मज़ाक है!

प्राचीन मूर्ति के भीतर...
तुम जो भी हो... जानते हो यह जगह क्या है?
हेरोइन के निर्माण का केंद्र...

"नावों से हमारे अज्ञात बंदरगाह पर अफीम आती है.

"यहां हमारी प्रयोगशालाओं में अफीम से हेरोइन बनती है."

तुम एक बदमाश.. यहां राजकुमार की तरह राज कैसे कर रहे हो?
विरासत.. जवानी में ही घर छोड़ गया था... यूरोप में पैसा कमाया....

हमारी ताकत सारी दुनिया में फैली है. अरबों रुपये हैं. मुकाबला मत करो.. अपना हिस्सा ले लो.
शुक्रिया, मैं कुछ और सोच रहा हूं!

२०० साल बाद अगर तुम्हारा सुप्त देवता जग जाये तो.. अपने पेट की आग से?
नहीं.. नहीं.. ऐसा मत करो!

पुजारीजी... देखो!
?

ज़ाल में लपटें! किसकी यह मजाल? सिर्फ मैं... पुजारी... ही आग जला सकता हूं...
उह?

पुजारी को... देवता निगल गया!
ईऽऽऽ!

ज़ाल के जलते पेट में स्वागत है. अब तुम समझ गये होओगे तुम्हारे पूर्वजों के शिकारों का क्या हाल होता था, पुजारी!
वे-ताल!

तुम मुझे जानते हो, ज़ाल के पुजारी?
वेताल.... हमारा शत्रु...
बंद करो बकवास!

तभी अचानक-
देखो... राजकुमार... पुजारी!
!
!

हम जो कहते हैं, वह करो... (आउच)
देवता के सामने घुटनों के बल बैठ जाओ!

सारा सफेद पाउडर ले आओ...
सारा सफेद पाउडर ले आओ...
लकड़ी लाओ...
लकड़ी लाओ....
सुप्त देवता का आदेश है!
सुप्त देवता का आदेश है!

पुजारी आग जलाओ हम एक बलि देंगे!
?
?

यह माल.. हेरोइन.
इसे लपटों में
डाल दो!
न.. नहीं!
नहीं!

सुप्त देवता के सामने.. उन दोनों के गोली चला पाने के पहले ही... वेताल घूमा...
ओऊ!
अऽऽ!

राजकुमार, यह
हेरोइन आग में फेंक
दो वरना बचोगे
नहीं!
!

अब अपने हथियार भी
आग में फेंक दो....
हेरोइन के साथ!

तुम सब यहीं खड़े
रहो.. वरना तुम्हारा
राजकुमार नहीं
बचेगा!
अब
प्रयोग-
शाला
में ले
चलो!

प्राचीन पूर्वी अंचल में... आधुनिक प्रयोगशाला...
तुम्हारी प्रयोगशाला.. अफीम से
मॉरफीन... फिर हेरोइन. सब
खत्म!
कुछ भी साबुत
नहीं बचेगा
यहां.
!!

मैं तुम्हारे नेता को मुखियाओं के पास
ले जा रहा हूं.. न्याय के लिए. अब जंगल में
हेरोइन नहीं आयेगी.
हमारा
क्या होगा?
शहर
का कानून
लागू होगा,
तुम
पर!

यह उनका राजकुमार है, जिन्होंने
तुम्हारे युवकों को हेरोइन दी.
जंगल के मुखियाओ, जो
चाहे करो.

बहुत शानदार काम किया,
ओ चलते-फिरते
प्रेत!

शेहाब

187/4

अपराध के खिलाफ विज्ञान
सिर-विहीन शव

अगस्त १८६५ रेल-अधिकारियों को बम्बई की एक लोकल गाड़ी में एक बोरी में लिपटा बिना सिर का शव मिला.
कोरोनर का कहना है कि मृतक संभवत: हिंदू था, लगभग ४० साल का, सामान्य कद-काठी वाला... और वह शायद मांसाहारी था...

शव पश्चिम रेलवे की गाड़ी में मिला था इसलिए माना जा सकता है कि मृतक उपनगर में रहता था...

बस, इतनी ही जानकारी है, सर ?
हां, मेंडोंसा, इतनी ही.
TEJAS FEATURES

SC-1/1

पुलिस को कुछ पता नहीं चल सका. कुछ दिन बाद एक दोपहर को—
इंस्पेक्टर, मुझे अपने दोस्त गदरे की चिंता है. वह यूनियन का नेता है. उसकी यह चिट्ठी मिली है.

इसमें क्या है... लिखा है, उसे अचानक जाना पड़ रहा है और कुछ दिन बाद लौट आयेगा...

तुम्हें चिट्ठी नकली लग रही है क्या ?
हां. न तो यह उसकी हस्तलिपि है, और न ही उसकी शैली.

अगले कुछ दिनों में गद्रे के दो अन्य परिचित भी वैसी ही चिट्ठियां लेकर पुलिस के पास आये. उन्हें भी चिट्ठियों की सत्यता में शक था.
मेंडोंसा, ऐसा लगता है, गद्रे की हत्या करके ये चिट्ठियां भेजी गयी हैं, ताकि उसके दोस्तों को उसके गायब होने पर कोई शक न हो.

और तुमने गौर किया— ये सारे खत उस सिर-हीन लाश के मिलने के एक दिन बाद लिखे गये हैं.
आपका मतलब है, सर...
हां.

पुलिस ने गद्रे के बारे में छानबीन शुरू की. उन्हें पता चला वह कुछ समय के लिए नौसेना में था. वहां उन्हें उसकी उंगलियों के निशान मिल गये.
पुलिस

SC-1/2

पुलिस ने सिर-विहीन शव की उंगलियों के अगले हिस्से फोरमालिन में सुरक्षित रखे हुए थे. एक विशेष विधि से उन उंगलियों के निशान लिये गये. फिर उनका नौसेना-अधिकारियों द्वारा दिये गये निशानों से मिलान किया गया.
मिल रहे हैं.

खोज से पता चला कि यूनियन नेता का सहायक काफी पैसा लेकर गायब था. उसे खोज कर गिरफ्तार कर लिया गया.. उसने हत्या करने की बात मान ली...
..विज्ञान की सहायता से एक और अपराधी को सजा दी जा सकी.

गुणाकर

B-99/H

रिप्ली का – मानो न मानो

रोम के सैनिकों को २५ साल
तक सेवा में रहना पड़ता
था, पर इसके साथ ही
सेवा-निवृत्त होने पर उन्हें
१३ वर्ष का वेतन बोनस
के रूप में मिलता था!

गैरी हार्ट अब्राहम
लिंकन, होवर्ड टेफ्ट,
एलेन विल्सन,
(वुड्रो विल्सन की पत्नी)
और एक आइजनहावर
का दूर का रिश्तेदार
है, उसके ये सारे
रिश्तेदार
अमेरिका के भूतपूर्व
राष्ट्रपति हैं.

१९८४ तक ऐसे रोबोट भी बन जायेंगे
जो मनश्चिकित्सक का काम करेंगे ये
ऐसे रोगियों को सलाह दे सकेंगे जो
आदमियों को अपनी समस्या
बताने में कतराते हैं.

कनाडा का एक अंधा वकील रेण्डी होगले १९६४ में घोड़ा
कुदाने का चैम्पियन बना था– उसने प्रारंभ और कुदान
के बीच की दूरी को नाप कर घोड़े के कदमों को याद कर
लिया था! जब वह चैम्पियन बना तो उसके
२५ प्रतिस्पर्धी आंखों वाले थे!

B-61

ईसा से 660 साल पूर्व चीन में
थायरोयड के इलाज के लिए
समुद्री घोड़े को सुखा कर
आयोडीन में मिलायी दवा दी
जाती थी!

बेनेट, कोलमैन एण्ड कं. लिमिटेड के लिए प्रीतीश नंदी द्वारा न्यू करुणोदय प्रेस, : १/२१३ जी.आई.डी.सी. मकरपुरा, बड़ौदा-१० (गुजरात) में मुद्रित और प्रकाशित. संपादक : विनोद तिवारी। शाखाएं : ७, बहादुरशाह जफर मार्ग, नयी दिल्ली-११० ००२; १३९, आश्रम रोड, अहमदाबाद-३८० ००९; १०५/७ ए.एस.एन. बेनर्जी रोड, कलकत्ता-७०० ०१४; कार्यालय : १३/१, गवर्नमेंट प्लेस ईस्ट कलकत्ता-७०० ०६९; गंगागृह, ६-डी नुगमबक्कम हाई रोड, मद्रास-६०० ०३४; ४०/१ एस अं. बी. टॉवर्स, महात्मा गांधी रोड, बैंगलोर-५६० ००१; ४०७/१, तीरथ भवन, क्वार्टर गेट, पुणे-४११ ००२; पो. ऑ. बॉक्स ५७, ग्लुसेस्टर जीएल २६ डीएस, यू.किं., लंदन, टेलि. नं. (०४५२) ३०६५४६

प्रिय पाठक,
१९७२ के म्यूनिख ओलिम्पिक में तैराकी के सात-स्वर्ण-पदक जीतने वाले मार्क एण्ड्रयू स्पिट्ज़ ने तैराकी की शिक्षा अपने पिता आरनोल्ड से ली थी. जब वह आठ वर्ष का था तो तैराकी का प्रशिक्षण उनके हिब्रू के अध्ययन में बाधक बनने लगा. तब उसके पिता ने कहा था, "खुदा भी जीतने वाले को प्यार करता है."

१९६८ के ओलिम्पिक में आशा थी कि मार्क चार स्वर्ण-पदक जीतेगा, पर वह एक भी नहीं जीत पाया. उसकी विफलता के कई कारण बताये गये. पर सबसे मज़ेदार कारण आरनोल्ड की प्रशिक्षण-विधि के आलोचकों ने बताया:
कहते हैं आरनोल्ड अपने बेटे से पूछा करता था, "तरण ताल में कितने गलियारे हैं मार्क?"
"छह." और कितने गलियारे जीतते हैं, मार्क?
"एक."
उनका कहना था कि मेक्सिको के तरण-ताल में छह नहीं, आठ गलियारे थे!
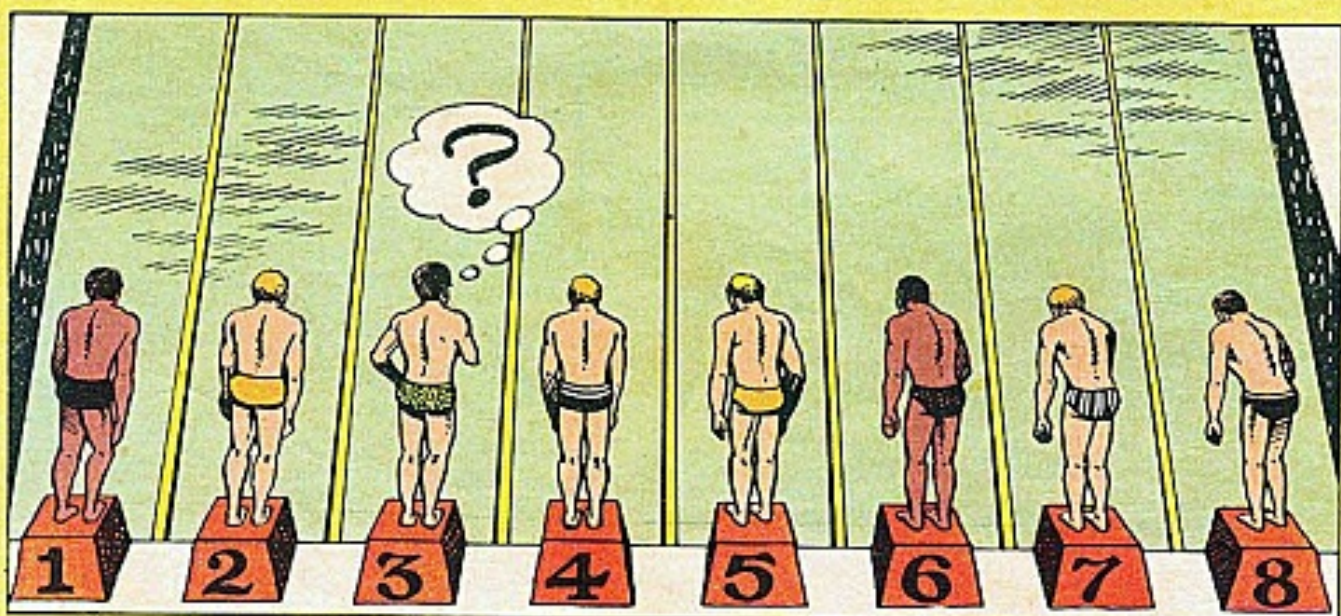
इस आघात से उबरने में मार्क को चार साल लग गये!

खेल भावना के साथ,

आस्टिन कुटिन्हो

REGD. NO. TN MS (C) 83
Regd. No. D-(C)-968
पूर्व शुल्क के बिना डाक से डालने की अनुमति-लाइसेंस सं. U-119